B-3
L-40
Indian Society

19/01/2024

भारत में आयु संरचना

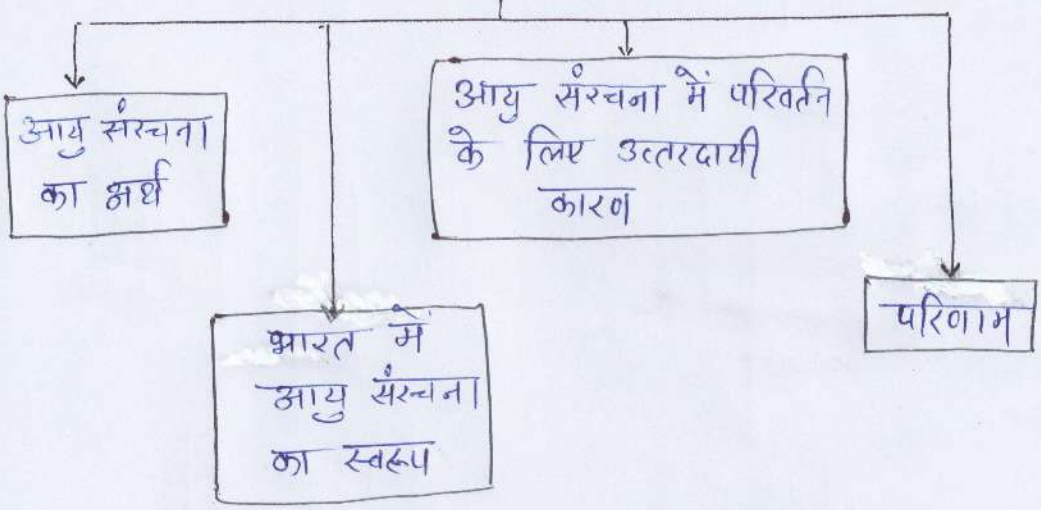

⇓

Pdf Notes

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

संभावित प्रश्न -

1. भारत में आयु संरचना में होने वाले तीव्र बदलाव के सामाजिक, आर्थिक परिणामों पर चर्चा कीजिए? इसके लिए उत्तरदायी कारणों को स्पष्ट कीजिए?

2. भारत में आयु संरचना में होने वाले आधुनिक परिवर्तन क्या विकास का सूचक हैं? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दें।

3. भारत आयु संरचना में हो रहे सकारात्मक परिवर्तन का लाभ लेने में कहाँ तक सफल रहा? इस दिशा में आप क्या सुझाव देंगे?

जनांकिकीय लाभांश
(Demographic Dividend)

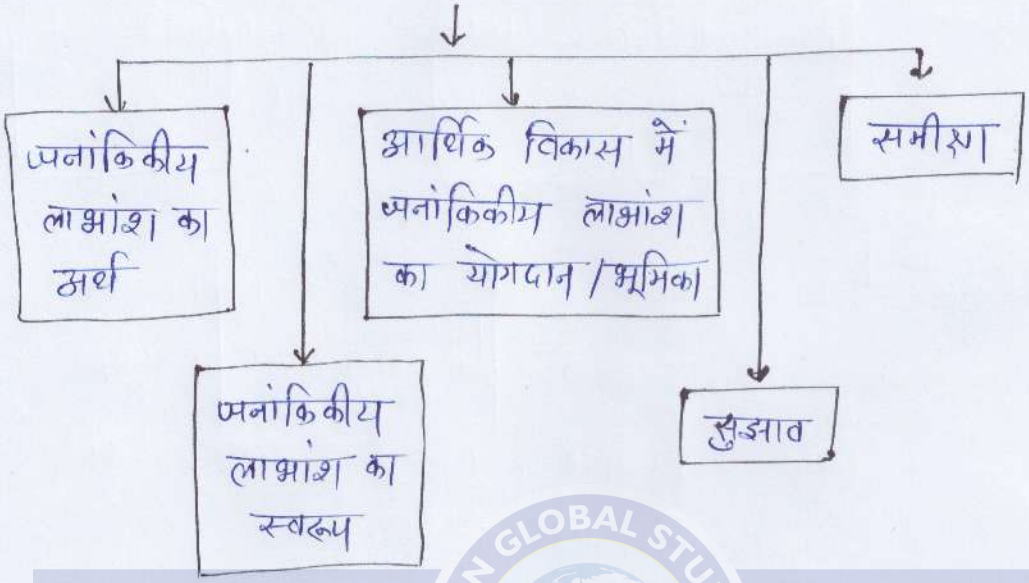

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform

जनांकिकीय लाभांश का अर्थ

किसी देश की जनसंख्या की आयु संरचना में कार्यशील जनसंख्या के अनुपात में वृद्धि के फलस्वरूप उस जनसंख्या का आर्थिक विकास में योगदान जनांकिकीय लाभांश कहलाता है।

भारत में जनांकिकीय लाभांश का स्वरूप →

1. भारत में जनसंख्या के आयु संरचना में कार्यशील जनसंख्या के अनुपात में वृद्धि (2001 में 57.1% से बढ़कर 2011 में 62.5% हुई)

तथा युवाओं की संख्या में वृद्धि (35.6 करोड़) भारत की एक नवीन घटना है; जिसने भारत के जनांकिकीय लाभांश में वृद्धि को संभव बनाया है।

2. भारत के इस जनसंख्या का भारतीय अर्थव्यवस्था में योगदान को निम्न तीन श्रेणियों में बांटकर देखा जा सकता है -

i) - प्राथमिक क्षेत्र (कृषि) - अपेक्षित रूप से कम योगदान

ii) - द्वितीयक क्षेत्र (उद्योग) - अपेक्षित रूप से अधिक योगदान

iii) - तृतीयक क्षेत्र (सेवा) - सर्वाधिक योगदान

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

3. एक वैश्विक आंकलन के अनुसार, भारत 2050 तक अपने जनांकिकीय लाभांश के कारण, आर्थिक विकास एवं समृद्धि में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने की संभावना को व्यक्त करता है (यदि 35.6 करोड़ युवाओं का कौशल विकास करके उन्हें रोजगार उपलब्ध करा दिया जाये)।

4. विश्व स्तर पर सॉफ्टवेयर, BPO, KPO, LPO आदि के क्षेत्र में प्रत्यक्ष योगदान के कारण आज भारत अग्रणी देशों में शामिल है, जो भारत की जनांकिकीय लाभांश में वृद्धि और वृद्धि की संभावना को परिलक्षित करता है।

भारत के आर्थिक विकास में जनांकिकीय लाभांश के योगदान के परिणाम :-

1. जनांकिकीय लाभांश ने आर्थिक संवृद्धि को गति प्रदान की है और भारत आर्थिक विकास की ओर अग्रसर है।
2. आर्थिक विकास और विकास के साथ शिक्षा का प्रसार तथा आधुनिक एवं तार्किक दृष्टिकोण का विकास संभव हुआ है।
3. धार्मिक रूढ़ियां, अंधविश्वास आदि का विरोध एवं उन्मूलन संभव हुआ है.
4. लिंग असमानता, मानवाधिकार एवं पर्यावरणीय चिंताओं पर हमारा ध्यान आकर्षित हुआ है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

5. एक नवीन जीवनशैली एवं उपभोक्तावादी संस्कृति के विकास को प्रोत्साहन मिला है।

जनांकिकीय लाभांश में वृद्धि हेतु सुझाव-

1. स्वास्थ्य सुविधाओं का प्रसार करके भारतीय जनसंख्या को स्वस्थ एवं कुशल बनाया जायें।
2. शिक्षा के अत्यधिक प्रसार के द्वारा भारतीय जनसंख्या को मानव संसाधन के रूप में विकसित किया जाये और इस हेतु प्रेरित किया जाये।
3. गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा के प्रसार एवं इनको प्रशिक्षण के द्वारा इनको तकनीकी रूप से प्रशिक्षित एवं कुशल बनाया जाये।
4. उपरोक्त तरीके से विकसित मानव संसाधन को आर्थिक सहभागिता हेतु अवसर प्रदान किया जाये।
5. समानुपातिक न्याय से युक्त विकास को संभव बनाया जाये।
6. विश्व अर्थव्यवस्था के अंग के रूप में भारत की स्थिति को और अधिक मजबूत किया

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

जाये और भारतीय युवाओं को विश्व अर्थव्यवस्था में सहभागिता हेतु अवसर प्रदान किया जाये।

संभावित प्रश्न -

1. जनांकिकीय लाभांश के संदर्भ में भारत की स्थिति को स्पष्ट कीजिए और भारत में जनांकिकीय लाभांश को बढ़ाने हेतु सुझाव प्रस्तुत करें।

2. जनांकिकीय लाभांश से आप क्या समझते हैं, भारत जैसे देश के सामाजिक-आर्थिक विकास में इसकी भूमिका को रेखांकित कीजिए।

3. जनांकिकीय लाभांश पर टिप्पणी लिखें ?

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

भारत में मृत्युदर (Pdf Notes)
(Mortality Rate in India)

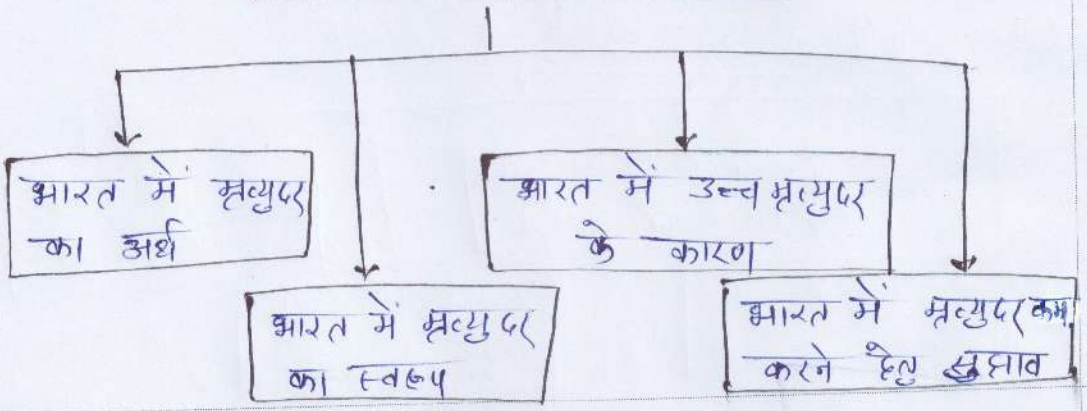

संभावित प्रश्न

1. भारत में उच्च मृत्युदर के कारणों की चर्चा करें और इसके नियंत्रण हेतु अपना सुझाव दीजिए।

2. "भारत में मृत्युदर की अधिकता उच्च जन्म-दर का परिणाम है।" उक्त कथन को सविस्तार प्रतिपादित करें और मृत्युदर को नियंत्रित करने हेतु आय बताएँ।

3. भारत में उच्च जन्मदर उच्च मृत्युदर का कारण है अथवा परिणाम। उत्तर दीजिए या समीक्षा कीजिए।

4. जनगणना 2011 में जन्मदर की तुलना में मृत्युदर में तीव्र गिरावट सामाजिक-सांस्कृतिक कारकों की प्रभावित को परिलक्षित करता है। स्पष्ट कीजिए।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform

भारत में शिशु मृत्युदर (Printed Notes)